

DPN 6851

Title : मे स्फुर / ME SAPHU

Run. No. 7576

Cat. No.

Micro. No.

Subject *saṅgita*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 14.5 X 7

Folios 26 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Together with *pūjā jvalan* and
astapithi pūjā.

Material : palmleaf / paper / *thyaṣaphu* /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

रामकण्ठदि ॥ नीर गयन स्वाभित अंगे २ त्रिमुष त्रिलोचणि मसंभाव्य ॥ ६५ ॥

॥ धनमन्त्रयावत्किञ्च
द्वारुनं सर्वकार्यसिद्धि
मसिद्धिस्तु नष्टयदिग
नायगा ॥ १ ॥

लंवाकलनेकधलणियनशुकथश
लुलरुषिना ॥ गनाहं ॥ द्याद्यलनवृहाथ
लशुजमनुजुरुसूयअलि ॥ गनाहं ॥ ईर
नीमाहनी जाकोषनीशुजादिभमअनजालि
॥ गनाहं ॥ श्वगमल्यया कालतिनिरुवभश्व
नयजिलसद्वकार्यसिद्धि ॥ गनाहं ॥ लिद्धिसिद्धि
सिद्धिसंयनश्वयविगभश्वलउरुवनव्यायिना

गनाहं ॥ ७ ॥ आगजवलिनातमाथ ॥ ००५
नेदानवामंथनवर्त्तनाधिनलाषिकज ॥ कजसि
नुयसर्वहंनसमनाविभविद्युरुलधयनमा
गक्षश्वना ॥ ००६ ॥ नागताम ॥ कक्षयागिनी
नीनिवागिकभयालइलिनरुनधकलिशुवा
नीजशसंरुनासुलगधयातवीना
गना ॥ वडनसिइलविदिउयहाल

20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

30

लेयुजिना २ दालिउइ सहलध साहाय
ना ॥ जनाधि सर्वजन रुवकुसुहर्मगना ॥ ७ ॥
॥ नागदाल ॥ नागात ॥ गीतकुसुमनवर्यकी
॥ २ जनाधि नशीदवर्तवाङ्मना नववलेल युधाम
नाथ जतिमहरलसिद्धरुवकुसुहागना ॥ ८ ॥
ना ॥ सिद्धि सिद्धिवेलसर्वसंपूर्ण २ रुयविद्यनशुल
रुवलेल द्यापिनादानयति सर्वकायासिद्धिकरुवकु
उहर्मगला ॥ कना ॥ ९ ॥ नागगुडग्री ॥ वद्वलनया
गहनयनशुभमूनि ॥ वैष्णवमासकृष्णयनदिन
गालयोगशुक्रतमयतिमासयुजिन ॥ यवमाति
द्विशुल ॥ जनाधिनसर्वकार्यसिद्धिरुयनुरुय
गला ॥ कना ॥ १० ॥ नागदाल ॥ नातमाथा ॥
नाजिन ॥ निविक मायुलि ॥ सामिरुगतिशुल
जिवसीरुव ॥ ग्रीहलिरुलसिद्धव ॥ वम

॥मयः सकल इषि जन युगियालिना॥
॥नागललि॥ रुयदिद्यना ककूकाज
मसगधयति जालिधालिया ॥ ॥नमामि
मूषकाधलाया श्ववकननीलपिगलकभा
॥अगरुजदहितकलतिमल्लश्वामकया
मयाशसमंगधालि ॥ ॥मूडमालव्याद्यवमल
वाधनाश्रदशदिगमालविधसतविना ॥ ॥मयि

सिद्धिवलविद्यनविनासनं श्रवतिहं कालकड
॥ ॥रतागधनाजि॥ गजमुखिनधननाद
दनानीत्याधियतिगनधनाश्रमनिमूतालत्तारलना
॥किलनसनसकासदहा ॥ ॥मालियावि
यादयमालियाइयविनासनं श्रमालीया मा
नासाभलयमइसनासीता ॥ ॥यलधु

20

15

10

5

0

गङ्गाहिदियल कलहिकयालवलाश्मस
मदहिनवाम ॥ ३३ ॥ विविक्तकवतकवेतक
जडाशतमानिमधुलाश्लवाकलधन नवाद
हायायमिमिमिवाजता ॥ ४४ ॥ ललतलह
नाजालिमसिषजतिसलनाश्लिनदन्नादमधु
मनामनमधुनमधुगलाधियति ॥ ५५ ॥ नागधन
॥ जादिवन्धहवविशायिकधाविरुसजार्तश्मलवदम
समरहाज्जवकुटवधुरुज ॥ ६६ ॥ नमामिमुलाक
वेशाधियजलयवर्मरुधायशालदनधलासमल
समकासुनददकल ॥ ७७ ॥ दहिनजजिदड
ददननागधवमाहानीश्वामयवृकधम
यकाजितधम ॥ ८८ ॥ दहिनवामस
यहालितरुधुनाननश्कजिनीडवक
हिनजवृवक ॥ ९९ ॥ जिनसुनव

0 cmts.

5

10

15

20

25

30

वज्रिद्यालिवनाति वज्राति शिखिनि व्याधि
 नैवक उलाकिनि ॥ नमामिजाग्रतल
 आनन्दनाया शतिनिभरुदवा विरुवनवयिह्य
 ॥ ॥ पूर्वउतलयश्चिमदरुनदिगदवी शक्ति
 निश्चाकिनिद्विपिनि वडासिकहाजनी ॥ ॥
 वरुनदिगगु मारुनउदेवी शतिनितिनिन्दीना

वनिदवी ॥ ॥ हनिहतवक्ता ॥ ॥ अमून
 गन शष्पादशदाकिनी समलसंहाव ॥ ॥
 रत्नागगुडया ॥ वाममयेवनवलल दहिन
 कनति श्यायननवल नउमानरुषिना
 ॥ नावयिचकजति विद्यावज्रजागी
 शतिनिभरुदवा विरुवनवयिह्य ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वज्र नीला ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
आगवलसिहलागर्भश्चतुर्भुजः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नवदत्तः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
शुद्धमित्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कलसः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

लाला ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दासदाकिनिः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कहाजनी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नलश्री ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
लागम ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नविसजिवनि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ कंज बलं वाधन धालवदना ॥ ॥ नना
हृदयदिसहस्रना मालविघ्ननलियु भुदिया
लंशजानदनावयि शवशी महाकाय भलमष्टल
कयियाल ॥ ॥ कलतिरयलसद्वीकधाली
यवकयालमूढाभालिधला २ मंडमाल व्याघ्रव
महाज जसुनाम जारलनश्वहा ॥ ॥ वेडडा

जिनि भालिविलरूपायलदवी सगनभवाधियाल
शभवाल्लविल भुसिकलजिक उरुकलालहिन
म मूलति ॥ ॥ जक्रासजिन भालिरुतन सग
रुलेन वीघनरुलनविललाया श्वरसासन सद्य
नक्रकालनिधामहाकालयादजलेना ॥ ॥
गगधनाथा ॥ जसिधुकलाल्लमष्टलहा मनि

कलिकया लवला श्रुहिसम जसुना ग
न उवकयिगल कनरुन ॥ ॥ कावड
मालिया द्वषडमालिया भारुडमालिया मालि
या श्रुि सुनिडमालिया लागडमालिया ॐ क
डमालिया मालिया ॥ ॥ उयमून यनेहे डय
खालिषा सुन्यालिनगनग ॥ ॥ समजानवाय युजा

लिनवनि निदलिन डमयुलिदार्ध ॥ ॥ ल
लाया कुनो सबजाकाता डमयुलिनिदलिनदा
धं ॥ निलसत सवावल डमंडन डमालिया डम
विश्वजन ॥ ॥ अतिनियरु धयदा मरुका
कावनादि डमडा सुनं श्रुदं जसुना डम जा का
भदनिहवसंग सुनं ॥ ॥ लागकनदा

॥ स्वसमालसु दिनसमं धला २२ कालसं हव कृष्ण
॥ नमो २२ श्रीरुद्रवलाया २२ श्रीवज्र
जागी न्यालिन काययि ॥ ॥ अथ मस वरु
रुद्रकालन निभे २२ विश्वकलि भा २२ रुद्रनाम क
दा ॥ ॥ अथ मरुद्र दय कलो गद्यथ २२ द्विती
य रुद्र दतिय भौत निभे ॥ ॥ अथ रुद्र उमरु
रुद्रांग कयाल २२ वधु मूडा मधु माला विरु विना

॥ ॥ अलिकालि शयि अलिध वाययि २२ युन
मामियल न सिद्धि भा कृपुदा ना ॥ ॥ ॥ लागव्या
दि ॥ उदिने रु वन कमलासन किलन ललित युदा
थि न श्वहा २२ निमल हिदय कलध मयनाथ यदि
जरुय युदा ना ॥ ॥ अथ मदेवरु रुद्र रुद्र मल
२२ शक्ति रु वन व्यापिन रुद्र रुद्र डधलिया पुन मामी

मलाकंभलदव ॥ ॥ कनकललमनिहा
विह्वित कनकसुखलीश्वामकमलधन
वदना ज्वाहलन सरुजा जानदमलति ॥ ॐ ॥
॥ श्लागवसन ॥ किनलजननि पुहाभलेनमनिश्विला
शयि समलसद्वदालिगना ॥ ॥ निलसूरुसूल
यशुगलसयूनाशगभालिगन जानदनयन ॥ ॥

वायसरु सुयलधीयमयन श्लागविलज्वाशय
माभनिखनो ॥ ॥ ज्वज कलिश सजागवि
ह्वना ॥ मूलनलसुमस ददालिगना ॥ ॥
॥ दरुदिरुह्वनश्रीजागवलशुनमामिह्वन
श्वलिज्वालिगना ॥ ॐ ॥ श्लागवसन ॥ ज्वनमि
कसुमइदह पुहाभला श्विविदिलननामनिम
ठविह्विता ॥ ॥ नाययिलशी ज्वयल

नाशनाकडजानदवितामधि जूवलदिता॥
॥ना... उरुदिविदुमलादशनो श्येसु जालिगनज
धयमसाम... ॥विलागवधुहयकताशकस
निरुत सजा... ॥याग॥ ॥मालवहूनदय
निविलविधनहनाशलविगगिरुगन गगनवि
लामनी जूवलविता॥ ॥ ॥लागसाम॥कमन

१नागमना॥सूयमधुतमा॥ दिरु जं क मू
२नगनमकूकं ज निनिनयना॥ ॥नमा
मिशीवृद्धजकिनी जीरुवनध्वनी दूषाक्षिसिद्धि
दवी भारुहंनयमाद॥ ॥दहिनकनीसधन
ममकनसंधनरनका नृपिदवी गगनवासिनी

॥नलधुनिविवामिनडदियानवीत्यशु
वयाधनीदवी मृगननवदिना॥ ॥मनरुन
यमादशुसिद्धिवजगीताशुमजमभानु मि
धिरुनयमादना॥ ॥

ॐ नमः श्रीमहासंवनाय ॥ श्रीमहासंवे
विंशत्युद्धा



महासंवे

ॐ नमः श्रीमहासंवेनाय ॥ श्रीमहासंवे
कविंशत्युद्धाकलथागवान्कायवाक
योगध्यानसंवादिनकागनी ॥ १ नवका
ननाह्वकोनकाशुयसमयनितादवं
कनकाय ॥ कसुहनिगाददंषसिकति
संवाकादशानिनावनकासकनवन

विनीविश्वयज्ञवन्दकं, वंयमुद्राकना
 एतन्, अमुद्राकनं दुर्वर्णं, शत्रुमुद्राविका
 र्तेन, कयुमाभीयुतावर्ध्याद्यन्तमनिवाश
 न, एतन्मन्त्रतलपेन, शत्रुवर्ध्यामायुका
 भाकुर्यादिवदहिमं ॥ ॥ ७ ॥ ५

हा ह्यहमती माता सं
नाना वदोनी जगत्सु हि स्थ
वृक्ष जीजी श्री सती श्री देव सु
ती सं द्ये नाम

नमो भगवते

१ नागककुदि ॥ नीनगय नृपति नृपरा २ वि
मुषगिला व विमसं लायै ॥ ३ ॥ लावळं ल
शी आगावन विना २ आगेनी झं सेखनी मने
न नावळं ॥ १ ॥ दाकिणी मलुल व केरुनि

२ मलुन का न विदिगं न संस्थिता ॥ २ ॥ व
किद्या वि व नालि व डालि २ सिधे नि यां धिः
निर्जमूक उला कि सि ॥ ३ ॥ ग किणी दि धि
नि च उ सि कं वा ज नि श्रम जल राय इ इ र व
विना सनी ॥ ४ ॥ ० ॥ नागमाल आव कि धा

३॥ रिवे तारि वडा विद वि २ सिंघि नि यां घिनी
जवुक उर दिनी ॥ ५ ॥ सु मा मि श्री आ गं वर
गने स्व रि २ ति शि गो तु दे वे नि रु व घ य इ से
॥ १ ॥ यु व उ ल र य श्रि म द ऋ णि द गं दे वि २
ज कि नी क्षि यो गो धि यो नि च उ सि कं वो ज नी
२ ॥ व पु दि गं मु व रा ह न तु दे वा २ ति शि

३॥ दे वी ना च या दे वी ॥ ३ ॥ ह रि दं स्व स्ता
०५ सु सु र ग घ २ वो द स दे वी स म र स भा वे ॥
॥ ४ ॥ ॥ रा ग रा म क रि ॥ जि रा व र न न य नि
रु व घ श्री का यो त क नि र्वा स सि नि स र म नि षा ॥
ने पा र म शु र मा गं स सि न की र ने ज ग त म शु
र मा मे म ति रा ॥ ५ ॥ ति त्रि गं गि ग मि यारे

बुद्ध तारयादे/ वप्रथमामिबुगमल्लरोकेस्व
रदेवं १ सिकजोगिवन्नुदल्लयरिकर्मरायाभु
वंयटिबुगमल्लियारेदुदेवं ॥ १ ॥ रातिकर्म
विकासितवोधियात्रेवामकमरंधरहाथे २
मुक्कसुमरकेरोगकुल्लकादास्सिद्धि ॥ स्वभ

हरणा ॥ २ ॥ हूं हूं हूं भगकिं काया भगति
धमामिबुगमल्लरोकेस्वरदेवं २ नगामि २ श्री
तारेदुदेवं स्वगमल्लया तारयादेवं ॥ ३ ॥ दस्व
भुमीहातिसेतरकधधनाजगतगाथ भुभय
जटा २ श्रीभुमिदाभमीरेगतंधरिया श्रीरोकेस्व
रसरगागति ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥



Fi. 7

62. 2

ገላትያው ይህን ፊርማ አድርጓል

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

20
15
10
5
0
cmts. 5 10 15 20 25

Handwritten text in an ancient script, likely Tamil, on two fragments of palm leaf. The fragments are positioned vertically, with the top fragment showing approximately 6 lines of text and the bottom fragment showing approximately 6 lines. The text is written in a dark ink, and the fragments are placed on a grid background for scale.

1. Hs 12 Ps 2

122815

20

15

10

5

0

cm.

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in two columns on a piece of aged, torn paper. The script is a form of cuneiform, likely from the Hittite or Akkadian languages. The text is arranged in approximately 12 lines, with some characters appearing to be grouped or separated by small marks. The paper is heavily damaged, with significant portions missing from the left side and some staining throughout.

20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in Ge'ez script on a fragment of parchment. The text is arranged in two columns. The left column contains approximately 10 lines of text, and the right column contains approximately 10 lines of text. The parchment is aged and shows signs of wear.

Handwritten text in Ge'ez script on a fragment of parchment. The text is arranged in two columns. The left column contains approximately 10 lines of text, and the right column contains approximately 10 lines of text. The parchment is aged and shows signs of wear.